

क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबिलाइज़ेशन डायलॉग

प्रलिस के लिये

क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबिलाइज़ेशन डायलॉग, पेरिस समझौता

मेन्स के लिये

‘भारत-अमेरिका जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा-2030’ के तहत लॉन्च की गई पहलों का महत्त्व तथा भारत के लिये अवसर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत (जलवायु) ने भारत के केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री के साथ दोनों देशों के बीच ‘क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबिलाइज़ेशन डायलॉग’ (CAFMD) शुरू किया है।

- यद्यपि भारत ने अब तक **‘नेट जीरो’** लक्ष्य हेतु प्रतबिद्धता नहीं जाहिर की है, कति भारत सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने हेतु अपनी प्रतबिद्धता की दशा में काम कर रहा है।

प्रमुख बडि

क्लाइमेट एक्शन एंड फाइनेंस मोबिलाइज़ेशन डायलॉग

- यह अपरैल 2021 में ‘लीडर्स समिट ऑन क्लाइमेट’ में लॉन्च किये गए ‘भारत-अमेरिका जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा-2030’ साझेदारी का हसिसा है।
 - इससे पूरव **‘यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप’** (SCEP) को लॉन्च किये गया था।
- यह दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के क्षेत्त्र में सहयोग को नवीनीकृत करने के साथ ही इससे संबंधित वित्तीय पहलुओं को संबोधित करने और **पेरिस समझौते** के तहत परकिल्पति अनुदान एवं रधियायती वतित के रूप में जलवायु वतित प्रदान करने का अवसर देगा।
- साथ ही यह प्रदर्शति करने में भी मदद करेगा ककिसि प्रकार दुनिया राष्ट्रीय परस्थितियों और सतत् विकास प्राथमकताओं को ध्यान में रखते हुए समावेशी एवं लचीले आर्थिक विकास के साथ तेज़ी से जलवायु कार्रवाई को संरेखति कर सकती है।

CAFMD के स्तंभ:

- जलवायु कार्रवाई स्तंभ:**
 - अगले दशक में उत्सर्जन को कम करने के तरीकों को देखते हुए इसमें संयुक्त प्रस्ताव होंगे।
- वतित स्तंभ:**
 - इसके माध्यम से अमेरिका भारत में 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को लागू करने तथा पूंजी को आकर्षति करने और सक्षम वातावरण को बढाने में सहयोग करेगा एवं नवीन स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगकियों का प्रदर्शन तथा द्वपिक्षीय स्वच्छ ऊर्जा नविश व व्यापार को बढावा देगा।
- अनुकूलन और लचीलापन:**
 - दोनों देश जलवायु जोखमिों को मापने और प्रबंधति करने के लिये क्षमता निर्माण में सहयोग करेंगे।

भारत के लिये अवसर:

- ऊर्जा संक्रमण** (Energy Transition) में नविश करने हेतु कभी भी बेहतर समय नहीं रहा। अक्षय ऊर्जा पहले से कहीं ज़्यादा सस्ती है।
- वास्तव में विश्व में कहीं और की तुलना में भारत में सोलर फार्म बनाना सस्ता है।
- वैश्विक स्तर पर नविशक अब स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ रहे हैं और महामारी के सबसे बुरे दौर के बाद ऊर्जा संक्रमण पहले से नकारात्मक रूप से प्रभावति हो रहा है तथा अब एक वर्ष में नविश किये गए 8.4 बलियन अमेरिकी डॉलर के महामारी पूरव की स्थतिके रकिॉर्ड को तोड़ने

के लिये तैयार है।

- [अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी](#) का अनुमान है कि यदि भारत स्वच्छ ऊर्जा के अवसर का लाभ उठाता है, तो यह बैटरी और सौर पैनलों हेतु विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार बन सकता है।
- वर्तमान में भारत की स्थापित बजिली क्षमता वर्ष 2021-22 तक 476 GW होने का अनुमान है जिसके वर्ष 2030 तक कम-से-कम 817 GW तक बढ़ने की उम्मीद है।

स्रोत: द दृष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/climate-action-and-finance-mobilisation-dialogue-india-us>

